पाठ 1. वर्णों की रेलगाड़ी

1. चित्रों के नाम के पहले वर्ण पर गोला लगाइए।

ऊ क त ड म ग

2. चित्र पहचानिए और छूटे वर्ण भरकर नाम पूरे कीजिए।

झ म ष

छ ब ऐ

3. बोल-बोलकर वर्णमाला पूरी कीजिए।

आ इ ई ऋ

ए ऐ औ अः

ख ग घ

ज झ ञ

ट ड ढ ण

द ध न

फ ब भ म

र ल

ष स

त्र ज्ञ श्र

पाठ 2. शब्द बोध

1. चित्र पहचानिए और शब्द पूरे कीजिए।

न थ ल

त म द क

2. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

जल शहद नटखट टहल चढ़

3. चित्र पहचानिए, नाम लिखिए और रंग भरिए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 3. मात्रा बोध

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए।

(ख) बाल (ग) काल (घ) चाल (ङ) हार (च) कार

2. चित्र देखिए और नाम पूरे कीजिए।

ला गा हा ला

3. सही शब्द चुनकर भरिए।

(क) मामा (ख) छाता (ग) बाजा (घ) बादल (ङ) माला

इ की मात्रा (ि)

बच्चों को 'इ' की मात्रा का सही उच्चारण करना सिखाएँ। 'इ' की मात्रा वाले वर्णों की ओर उनका ध्यान दिलाएँ। उन्हें बताएँ 'इ' की मात्रा (ि) वर्ण के आगे से लगाई जाती है। 'इ' की मात्रा के पृष्ठ पर दिए चित्रों की पहचान कराकर बच्चों से उनका नाम बताने को कहें, जैसे– चिड़िया, किताब, बगिया। बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें। पाठ में दिए 'इ' की मात्रा (ि) वाले शब्दों की बार-बार दोहराई करवाते हुए कॉपी में लिखवाएँ। 'इ' की मात्रा वाली पंक्तियों की कविता का सस्वर वाचन पहले स्वयं करें फिर अपने साथ-साथ बच्चों से करवाएँ। इससे बच्चे 'इ' की मात्रा वाले शब्दों का उच्चारण भलीभाँति करना सीख पाएँगे। पंक्तियों से संबंधित कुछ प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं। उदाहरण के लिए– दिन निकलने पर कौन आई?–चिड़िया। चिड़िया क्या लाई? –दाल का दाना। चिड़ा क्या लाया? –चावल।

ई की मात्रा (ी)

बच्चों को 'ई' की मात्रा (ी) से परिचित करवाएँ। उन्हें बताएँ कि यह वर्ण के बाद में या पीछे से लगाई जाती है। बच्चों से 'ई' की मात्रा के पृष्ठ पर दिए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बताने को कहें, जैसे– सीटी, हाथी, मछली। पाठ में दिए 'ई' की मात्रा के शब्दों का उच्चारण करते समय 'ई' की मात्रा पर विशेष बल दें तथा बच्चों से एक-दो बार दोहराई करवाएँ।

इस प्रकार बच्चे 'ई' का उच्चारण करने में अभ्यस्त हो पाएँगे। 'ई' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का लययुक्त वाचन करें, बच्चों से भी मुखर वाचन करवाएँ। पंक्तियों से संबंधित प्रश्न पूछें– चिड़ा क्या भरकर लाया? –पानी। चिड़िया क्या लाई? –छोटी-छोटी लकड़ी। घी डालकर क्या पकाई?– खिचड़ी। बच्चों द्वारा इन प्रश्नों के उत्तर देने से उन्हें 'ई' की मात्रा के शब्दों के उच्चारण का सहज ही अभ्यास हो जाएगा।

उन्हें समझाएँ कि 'इ' की मात्रा (ि) वाले वर्ण का उच्चारण शीघ्रता यानी जल्दी से किया जाता है, जैसे– खिल, दिन आदि। जबकि 'ई' की मात्रा (ी) वाले वर्ण का उच्चारण खींचकर किया जाता है यानी उस वर्ण को देर तक बोला जाता है। बच्चों से दोनों मात्राओं वाले शब्दों का उच्चारण करवाएँ। जैसे– खिल-खील, दिन-दीन, तिन-तीन आदि।

'इ' और 'ई' की मात्रा बच्चों ने कितनी सीखी-समझी, इसकी परख के लिए दिए गए अभ्यास करवाएँ। बच्चों से कहें कि वे शब्दों एवं वर्णों का उच्चारण करते हुए मात्राएँ लगाकर शब्द पूरे करें।

1. सही मिलान कीजिए।

चिड़िया → दाल
चिड़ा → चावल
आग → लकड़ी
घी → खिचड़ी

2. मात्राएँ जोड़कर शब्द लिखिए।

(क) दिन (ख) निकट (ग) सीप (घ) छड़ी (ङ) पनीर

3. पेड़ पर लटके शब्द चुनकर उचित स्थान पर लिखिए।

(क) **इ की मात्रा वाले शब्द–** दिन तिनका किला सितार

(ख) **ई की मात्रा वाले शब्द–** तीर लीची बकरी खीर

उ की मात्रा (ु)

बच्चों को 'उ' की मात्रा से परिचित करवाएँ। बच्चों को बताएँ कि 'उ' की मात्रा (ु) वर्ण के नीचे लगाई जाती है तथा केवल 'र' वर्ण में यह मात्रा बीच में लगाई जाती है। 'उ' की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। स्पष्ट करें कि यह मात्रा दाईं ओर से नीचे की ओर मुड़ते हुए बाईं ओर ऊपर जाती है। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। उन्हें बताएँ कि 'उ' की मात्रा का उच्चारण कम समय के लिए

यानी जल्दी से किया जाता है। बच्चों से 'उ' की मात्रा के पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे– कछुआ, गुड़िया, कुरता। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'उ' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित करें।

बच्चों से कविता से संबंधित कुछ प्रश्न पूछें– सुमन कहाँ गई? –फुलवारी। फुलवारी में क्या महक रहा था? –गुलाब। कौन गा रही थी? –बुलबुल। कौन खुश हुआ? –सुमन। इन प्रश्नों द्वारा बच्चों की श्रवण और चित्र को देखकर समझने की क्षमता का विकास होगा।

ऊ की मात्रा (ू)

बच्चों को 'ऊ' की मात्रा से परिचित करवाएँ। उन्हें बताएँ कि 'ऊ' की मात्रा (ू) वर्ण के नीचे लगाई जाती है तथा केवल 'र' वर्ण में यह मात्रा बीच में लगाई जाती है। ऊ की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। स्पष्ट करें कि यह मात्रा दाईं ओर नीचे से ऊपर की ओर घुमाते हुए लिखी जाती है। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। उन्हें बताएँ कि 'ऊ' की मात्रा का उच्चारण खींचकर या देर तक किया जाता है। पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे– सूरज, भालू, कबूतर। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'ऊ' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित कीजिए।

बच्चों से पंक्तियों से संबंधित कुछ प्रश्न पूछें– क्या खिल गई? –धूप। बाज़ार कौन गया? –मीनू, चीनू। मीनू, चीनू बाज़ार से क्या लाए? – खजूर, खरबूज़ा, तरबूज। चीनू क्या लाया? –चाकू। चाकू से क्या काटा? –तरबूज। इन प्रश्नों द्वारा बच्चों की श्रवण और चित्र को देखकर समझने की क्षमता का विकास होगा। बच्चों को 'र' में उ-ऊ की मात्रा लगाना बताएँ। जैसे 'र' में 'उ' की मात्रा ऐसे लगाई जाती है–'रु'। 'र' में ऊ की मात्रा ऐसे लगाई जाती है–'रू'। रु-रू का अंतर भी समझाएँ। उ-ऊ की मात्रा का अभ्यास करवाएँ।

1. **चित्र पहचानिए और उनके नाम में सही मात्राएँ लिखिए।**

   गुलाब खरबूजा सुराही

2. **मात्राएँ जोड़कर शब्द बनाइए।**

   (क) मुख (ख) धनुष (ग) धूप (घ) खजूर (ङ) शहतूत

3. **उ-ऊ की मात्रा वाले शब्द चुनकर उचित स्थान पर लिखिए।**

   (क) **उ की मात्रा वाले शब्द –** कछुआ सुबह गुलाबी झुरमुट

   (ख) **ऊ की मात्रा वाले शब्द –** झूठ शहतूत सूरज धूल

ऋ की मात्रा (ृ)

बच्चों को 'ऋ' की मात्रा का प्रयोग करना सिखाएँ। 'ऋ' की मात्रा का सही उच्चारण करते हुए शब्दों को कक्षा में पढ़ें एवं बच्चों को दोहराने के लिए कहें। बच्चों को इसके शुद्ध उच्चारण करने का तरीका बताएँ। मृग, वृक्ष, गृह जैसे सरल शब्दों से 'ऋ' की मात्रा का उच्चारण शुरू करें। इसके बाद पाठ में दिए सभी शब्दों को उच्चारण के साथ-साथ कॉपी में लिखने को कहें। अभ्यास करने में आवश्यक मदद कीजिए।

एक शब्द में उत्तर लिखिए।

(क) तृण (ख) कृषक (ग) नृप (घ) मृग

ए की मात्रा (े)

बच्चों को 'ए' की मात्रा से परिचित करवाएँ। उन्हें बताएँ कि ए की मात्रा (े) वर्ण के ऊपर लगाई जाती है। 'ए' की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। स्पष्ट करें कि यह मात्रा ऊपर से घुंडी की तरह मोड़ते हुए नीचे की ओर लाई जाती है। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। बच्चों से 'ए' की मात्रा के पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे– जलेबी, भेड़, केला। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'ए' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित करें।

बच्चों से पंक्तियों से संबंधित प्रश्न पूछें– नेहा क्या देखने गई? –मेला। कौन झूला झूलने लगी? –नेहा। मेला देखने और कौन-कौन गए? –केशव और देव। सबने मिलकर क्या खाई? – जलेबी। बच्चे चित्र को देखकर उत्तर देंगे। इससे बच्चों की श्रवण एवं अवलोकन क्षमता का विकास होगा।

ऐ की मात्रा (ै)

बच्चों को 'ऐ' की मात्रा से परिचित करवाएँ। उन्हें बताएँ कि 'ऐ' की मात्रा (ै) वर्ण के ऊपर लगाई जाती है। ऐ की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। स्पष्ट करें कि यह 'ए' की मात्रा की तरह ही लगाई जाती है, पर इसमें एक के स्थान पर दो मात्राएँ होती हैं। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। बच्चों से पुस्तक में दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे– मैना, थैला, सैनिक। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'ऐ' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित करें।

पंक्तियों से संबंधित प्रश्न पूछें– नैना का भैया क्या है? –सैनिक। उसे कहाँ जाना है? –नैनीताल। भैया क्या लेकर आए?– बैलगाड़ी। भैया बैलगाड़ी से कहाँ तक गए? –रेलगाड़ी तक। इन प्रश्नों द्‌वारा बच्चों की श्रवण और चित्र को देखकर समझने की क्षमता का विकास होगा।

1. चित्र पहचानिए और उनके नाम में सही मात्राएँ लिखिए।

करेला तैराक जलेबी

2. मात्राएँ जोड़कर शब्द बनाइए।

(क) खेल (ख) गणेश (ग) बैठक (घ) पैदल

3. दिए गए शब्दों को उचित खानों में लिखिए।

ए की मात्रा वाले शब्द – मलेरिया मेला बेटा ठठेरा

ऐ की मात्रा वाले शब्द – पैसा थैला नैनीताल मैदान

ओ की मात्रा (ो)

बच्चों को 'ओ' की मात्रा से परिचित करवाएँ। उन्हें बताएँ कि 'ओ' की मात्रा (ो) वर्ण के साथ खड़ी पाई के रूप में लगाई जाती है। 'ओ' की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। बच्चों से 'ओ' की मात्रा के पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे– ढोलक, होली, समोसा। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'ओ' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित कीजिए।
बच्चों से प्रश्न पूछें– किसकी बोली मीठी है? –कोयल। कौन नाचने लगा? –मोर। कौन टें-टें शोर करता है? –तोता। कौन ढम-ढम ढोल बजाता है? –लोमड़ी।

औ की मात्रा (ौ)

बच्चों को 'औ' की मात्रा से परिचित करवाएँ। 'औ' की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। बच्चों से 'औ' की मात्रा के पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे– तौलिया, कौआ, लौकी। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'औ' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित कीजिए।
बच्चों से पंक्तियों से संबंधित कुछ प्रश्न पूछें– किसकी मौसी जी आईं? –गौरी की। गौरी की मौसी जी क्या लेकर आईं? –खिलौने। मौसी ने क्या बनाया? –पकौड़े और कचौड़ी। इन प्रश्नों द्‌वारा बच्चों की श्रवण और चित्र को देखकर समझने की क्षमता का विकास होगा।

1. चित्र पहचानिए और उनके नाम में सही मात्राएँ लिखिए।

खिलौना कोयल हथौड़ा

2. मात्राएँ जोड़कर शब्द बनाइए।

(क) गोल (ख) ढोलक (ग) लोमड़ी (घ) कौर (ङ) मौसम (च) नौकर

3. किसको क्या पसंद है, मिलान कीजिए।

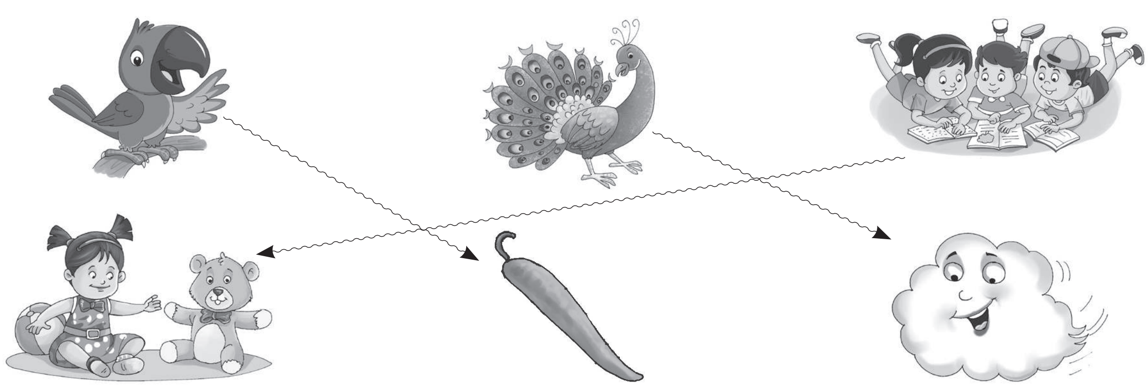

अन्य मात्राएँ

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को बिंदु एवं चंद्रबिंदु की मात्राओं का ज्ञान कराना है।

बिंदु (ं)

अनुस्वार नासिक्य ध्वनि है। इसके नाम से ही स्पष्ट हो जाता है कि इसमें पहले स्वर आता है और बाद में नासिक्य व्यंजन। बच्चों को बताएँ कि अनुस्वार वर्ण के ऊपर बिंदु (ं) के रूप में लगाया जाता है। बच्चों को इसके उच्चारण तथा मात्रा से परिचित करवाएँ। पृष्ठ पर दिए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बताने को कहें। जैसे– हंस, बंदर, पतंग। पाठ में दिए 'अं' की मात्रा के शब्दों का उच्चारण करवाएँ।

अं की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें तथा अपने साथ-साथ बच्चों से दोहराई करवाएँ। कविता से संबंधित कुछ प्रश्न पूछें– मंगल और चंदन क्या उड़ा रहे हैं? –पतंग। उनके संग कौन पतंग उड़ाने आया? –चंदर। पतंगें कैसी थीं? –रंग-बिरंगी। संतरे कौन लाई? –कंचन।

चंद्रबिंदु की मात्रा (ँ)

चंद्रबिंदु को अनुनासिक स्वर कहते हैं। इसका उच्चारण हमेशा किसी स्वर के साथ ही होता है। बच्चों को इसके उच्चारण से परिचित करवाने के लिए आँख, साँप, बाँसुरी शब्दों को कक्षा में बार-बार दोहराएँ।

पृष्ठ पर दिए गए शब्दों का वाचन करें तथा बच्चों से भी करवाएँ। बच्चों को प्रत्येक शब्द का उच्चारण बताते समय शुद्धता पर विशेष ध्यान दें। सभी शब्दों को दो-दो बार उच्चारण करते हुए कॉपी में लिखने को कहें। चंद्रबिंदु की मात्रा (ँ) के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें तथा बच्चों से करवाएँ। कविता से संबंधित प्रश्न पूछें– माँ साँची के लिए क्या लाई? –काँच की चूड़ियाँ। क्या निकल आया था? –चाँद। क्या फैल रही थी? –चाँदनी। बच्चों को बिंदु (ं) तथा चंद्रबिंदु की मात्रा (ँ) के अभ्यास करवाएँ।

1. **चित्र पहचानिए और उनके नाम में सही मात्राएँ लिखिए।**

   घंटा लहँगा पतंग कुआँ संतरा चाँद

2. **मात्राएँ जोड़कर शब्द बनाइए।**

   (क) हंस (ख) कंस (ग) कंकड़ (घ) आँगन (ङ) महँगा

3. **एक शब्द में उत्तर लिखिए।**

   (क) चूड़ियाँ (ख) संतरे (ग) रंग-बिरंगी

अः की मात्रा (:)

बच्चों को अः (:) की मात्रा की जानकारी दें। दिए गए शब्दों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ें तथा बच्चों से पढ़वाएँ।

बच्चों को यह बताएँ कि इसे विसर्ग (:) कहते हैं और इसका उच्चारण 'ह' के समान होता है। विसर्ग (:) के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियाँ पढ़ें तथा बच्चों से दोहराई करवाएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।

1. **चित्र का नाम पढ़िए और रंग भरिए।**

   विद्यार्थी स्वयं करें।

2. **पढ़िए, समझिए और इन मात्राओं वाले अन्य शब्द लिखिए।**

   विद्यार्थी स्वयं करें।

3. **सुंदर-सुंदर लिखिए।**

   विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 4. संयुक्ताक्षर

1. क्ष, त्र, ज्ञ, श्र लिखकर शब्द पूरे कीजिए।

कक्ष, रक्षक   पत्र, मित्र   श्रम, श्रवण   यज्ञ, कृतज्ञ

2. संयुक्त अक्षर वाले शब्दों पर गोला लगाइए।

दुग्ध   प्यार   कान्हा   स्वर   मगरमच्छ   श्याम

3. चित्र देखिए और नाम लिखिए।

ठप्पा   उल्लू   गन्ना   चम्मच

4. एक जैसे वर्ण पहचानिए और गोला लगाइए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

र के रूप

बच्चों को 'र' के विभिन्न रूपों रेफ (र्) तथा पदेन (्र, ्र) के बारे में संक्षेप में समझाएँ।

र के रूप से शब्द पूरे कीजिए।

(क) सूर्य   (ख) वर्षा   (ग) ट्रक   (घ) चक्र   (ङ) प्रणाम   (च) ड्रम

पाठ 6. सारी दुनिया मेरी है

I. मौखिक कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) बच्ची सारी दुनिया अपनी बता रही है।
   (ख) दादा जी पूरब में रहते हैं।

II. लिखित कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) पश्चिम में नाना जी रहते हैं।
   (ख) दादा जी और नाना जी चिट्ठी में छुट्टी में घर आने की बात लिखते हैं।
   (ग) बच्ची को सबकी दुनिया एक लगती है।
3. (क) पहेली (ख) मेरी (ग) एक (घ) दुलारी (ङ) घर

III. जीवन-कौशल एवं मूल्य

विद्यार्थी स्वयं करें।

IV. भाषा कौशल

1. (क) बताऊँ घुमाऊँ (ख) नाना आना (ग) छुट्टी चिट्ठी (घ) प्यारी दुलारी
2. (क) नाना (ख) पूरब (ग) पहेली

V. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 7. दादा जी ने उगाए शलजम

I. मौखिक कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) शलजम के। (ख) दादी ने पोती को बुलाया।

II. लिखित कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) शलजम, मीठे बनो। उगो-उगो, शलजम, पौष्टिक बनो।
   (ख) दादी ने पोती को शलजम निकलवाने के लिए बुलाया।
   (ग) शलजम बहुत बड़ा और लाल-लाल था।
   (घ) दादी ने शलजम धोया और फिर काटा।
3. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

III. जीवन-कौशल एवं मूल्य

विद्यार्थी स्वयं करें।

IV. भाषा कौशल

1. शहर शरबत शतरंज शक्कर
2. पत्ता बिल्ली
3. विद्यार्थी स्वयं करें।

V. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. **ज़मीन के ऊपर उगते हैं–** मटर, घीया, बैंगन, सेब, आम आदि।
   ज़मीन के नीचे उगते हैं– आलू, प्याज़, मूली, गाजर, शक्करकंद आदि।
2. 3. 4. 5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 8. अमरूद बन गए आम

I. मौखिक कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) अमरूदों के केले बन गए।
   (ख) बालक को रेखा ने आकर उठाया।

II. लिखित कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) मेला देखने गया था।
   (ख) बकरी जुकाम नहीं सह पाई थी।
   (ग) चूहे से डरा हुआ था।
   (घ) जगा दिया।
   (ङ) सपनों की दुनिया में होता है।
3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

III. जीवन-कौशल एवं मूल्य

विद्यार्थी स्वयं करें।

IV. भाषा कौशल

1. म्याऊँ क्या ज्यों
2. म्याऊँ मूँद आँखें
3. (ख) गोली (ग) रेखा (घ) निराला
4. आम अमरूद केला

V. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) भुट्टा (ख) लाल मिर्च
2. 3. 4. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 9. लालू और पीलू

I. मौखिक कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2. (क) लाल चीज़ें। (ख) गुड़।

II. लिखित कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2. (क) लालू ने पौधे पर कुछ लाल-लाल देखा। वह लाल मिर्च थी।

(ख) लाल मिर्च खाने से लालू की जीभ जलने लगी।

(ग) माँ मुर्गी ने दोनों को समझाया कि कोई भी चीज़ बिना सोचे-समझे नहीं खानी चाहिए।

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

III. जीवन-कौशल एवं मूल्य

विद्यार्थी स्वयं करें।

IV. भाषा कौशल

1. (क) चीज़ें (ख) पौधे (ग) चूज़े (घ) पीले

2. (क) माँ (ख) मुँह

3. (क) दिन मिर्च (ख) जीभ चीज़ (ग) मुर्गी गुड़ (घ) लालू पीलू

4. (क) एक (मुर्गी) थी। (ख) (लालू) ने उसे खा लिया। (ग) उसकी (जीभ) जलने लगी।

(घ) (पीलू) भी भागा आया। (ङ) (माँ) ने उन्हें समझाया।

V. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 10. कौन सिखाता है

I. मौखिक कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) चीं-चीं की आवाज़।
   (ख) दाने चुग-चुगकर खाती है।
   (ग) कुदरत हमसे कुछ भी नहीं लेती।

II. लिखित कौशल

1. (क) फुदक-फुदककर चलती-फिरती हैं।
   (ख) घोंसले बनाती हैं।
   (ग) कुदरत हमें सब कुछ देती है। वही हमें चलना-फिरना, खाना-पीना आदि सिखलाती है।
2. (क) तिनके, घोंसले (ख) बदले, कुछ

III. जीवन-कौशल एवं मूल्य

विद्यार्थी स्वयं करें।

IV. भाषा कौशल

1. (ख) बनाता है, बनाती है
   (ग) खाता है, खाती है
   (घ) देता है, देती है
2. अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को शब्द लेखन का अभ्यास करवाएँ।

V. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. कोयल, चील, गौरैया, कौआ, मैना, मोर, तोता, कबूतर
2. विद्यार्थी स्वयं करें।
3. माँद अस्तबल घोंसला

पाठ 11. छुटकी उल्ली

I. मौखिक कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2. (क) तीन साल की। (ख) बादलों के पास।

(ग) छुटकी ने माँ से कहा, "मैं आपसे प्यार करती हूँ माँ।"

II. लिखित कौशल

1. (क) क्योंकि वह आज तीन साल की हो गई है।

(ख) छुटकी ने माँ से पूछा, ''माँ आसमान में कितने तारे हैं?''

(ग) छुटकी के ऊपर पहुँचते जाने पर आसमान और भी ऊपर होता चला जाता।

(घ) आसमान और सितारों के बारे में और जो कुछ माँ ने सिखाया था उसके बारे में भी छुटकी सारी रात सोचती रही।

(ङ) ''आसमान जितना ऊँचा और तारों जितना बहुत सारा... बहुत सारा।''

2. (क) गिन (ख) पंख (ग) थक (घ) खुश (ङ) सितारों

3. (क) (ii) (ख) (i)

III. जीवन-कौशल एवं मूल्य

(iii) प्यार करना

IV. भाषा कौशल

1. (क) छुटकी, तीन (ख) सारे, पेड़ (ग) गोद, सोचती

2. छुटकी माँ तारे

आसमान सूरज पेड़

3. (ख) जाकर (ग) सोकर (घ) बोलकर

V. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. 2. 3. 4. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 12. हाथी और चींटी

I. मौखिक कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) हाथी छोटा था।
   (ख) चींटी हाथी से साथ ले चलने की ज़िद कर रही थी।
   (ग) सब हाथियों ने मिलकर गुफा से पत्थर हटाए।

II. लिखित कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) हाथी को रास्ते में चींटी मिली।
   (ख) ''अगर तुम्हें कोई परेशानी हुई तो मैं तुम्हारे काम आऊँगी। चींटी की इस बात पर हाथी हँसने लगा।
   (ग) तूफ़ान आने पर चींटी और हाथी एक गुफा में घुस गए। पत्थर गिरने से उस गुफा का मुँह बंद हो गया।
   (घ) चींटी जंगल से कुछ हाथियों को ले आई। सब हाथियों ने मिलकर गुफा से पत्थर हटा दिया। छोटा हाथी गुफा से बाहर निकल आया। इस प्रकार चींटी ने हाथी की मदद की।
   (ङ) हाथी को यह बात समझ आ गई थी कि कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। सब बराबर हैं।
3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

III. जीवन-कौशल एवं मूल्य

विद्यार्थी स्वयं करें।

IV. भाषा कौशल

1. जंगल बंद
2. जाऊँ मुँह चलूँगी
3. (क) डर, डगर (ख) पहाड़ी, चिंघाड़ना
4. करना चलना हटाना गिरना उड़ाना हँसना

V. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 13. चतुर मुर्गा

I. मौखिक कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) मुर्गा। (ख) लोमड़ी मुर्गे को खाना चाहती थी। (ग) ज़रूरी काम याद आ गया।

II. लिखित कौशल

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) मुर्गे को देखकर लोमड़ी सोचने लगी कि कितना बड़ा और बढ़िया मुर्गा है। यदि यह हाथ लग जाए तो भोजन मज़ेदार बन सकता है।
   (ख) लोमड़ी ने मुर्गे को खुशखबरी सुनाई कि जंगल के सभी झगड़े खत्म हो गए हैं। कोई किसी को नुकसान नहीं पहुँचाएगा।
   (ग) मुर्गा शिकारी कुत्तों की बात कर रहा था।
3. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (i)

III. जीवन-कौशल एवं मूल्य

◗ किसी अनजान व्यक्ति की बातों पर हमें ________ करना चाहिए। (ii) विश्वास नहीं

IV. भाषा कौशल

1. (क) बुरी (ख) ऊपर (ग) दुश्मन (घ) छोटा
2. (क) वृक्ष (ख) वन
3. (क) कुत्ते (ख) दोस्त (ग) अच्छा (घ) खत्म

V. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. चित्र देखिए और मिलाइए, कौन-सा जानवर कैसा होता है–

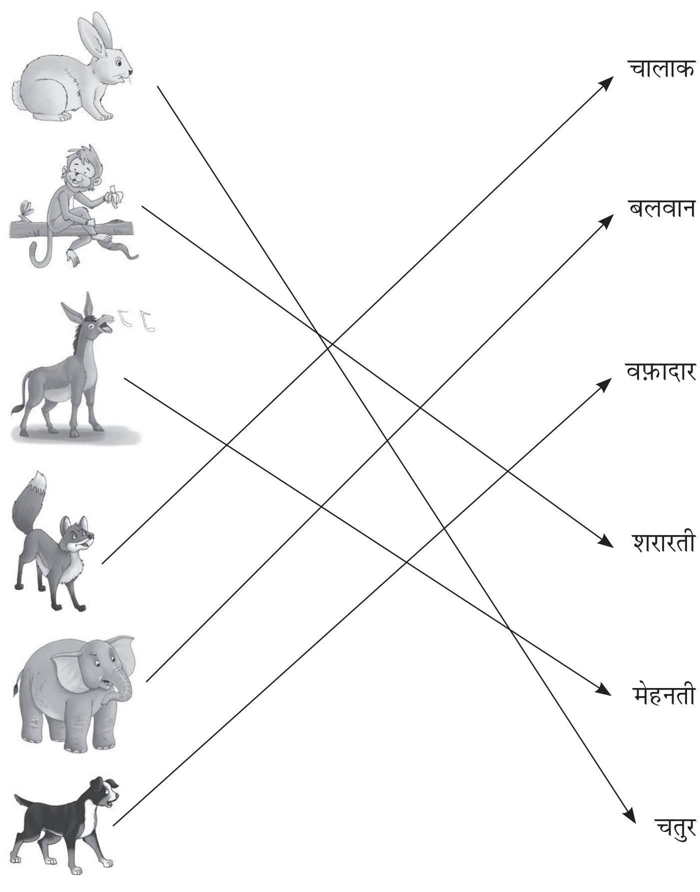

2. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 14. अंकों से दोस्ती

अभ्यास

1. (क) 3 (ख) 5 (ग) 4 (घ) 8 (ङ) 7 (च) 6
2. 1 2 3 4 5 6 7 8 9
3. विद्यार्थी स्वयं करें।

बूझो पहेलियाँ

पहेलियों के उत्तर– हाथी, कछुआ, कोयल, उल्लू, गिलहरी।

जाँच पत्र–1
(पाठ 1 से 7 पर आधारित)

कुल अंक 25

1. वर्णों और मात्राओं को जोड़कर शब्द बनाइए।

(क) छाता (ख) पानी (ग) मछली (घ) गुलाब (ङ) जादूगर (च) कोयल

2. इन संयुक्त अक्षरों से एक-एक शब्द बनाइए।

(क) मक्खी (ख) प्यार (ग) अच्छा

3. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए।

(क) मामा (ख) छाता (ग) एक (घ) दुलारी (ङ) घर

4. चित्र देखकर नाम लिखिए।

ठप्पा उल्लू गन्ना त्रिशूल

5. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) दादा जी और नाना जी चिट्ठी में छुट्टी में घर आने की बात लिखते हैं।

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

(ग) शलजम बहुत बड़ा और लाल-लाल था।

6. सही उत्तर चुनकर (✓) लगाइए।

(क) (ii) (ख) (i)

जाँच पत्र-2

(पाठ 8-14 पर आधारित)

कुल अंक 25

1. दी गई मात्राओं वाले दो-दो शब्द लिखिए।

(क) हाथी बकरी

(ख) सेब शेर

(ग) घोड़ा मोर

2. उलटे अर्थ वाले शब्द लिखिए।

(क) बुरी (ख) ऊपर (ग) दुश्मन (घ) छोटा

3. सही उत्तर चुनकर (✓) लगाइए।

(क) (i) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (i)

4. गिनिए और लिखिए।

(क) दो (ख) चार (ग) सात

5. सही शब्द से खाली स्थान भरिए।

(क) गिन (ख) पंख (ग) थक (घ) खुश

6. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) लाल मिर्च खाने से लालू की जीभ जलने लगी।

(ख) चींटी जंगल से कुछ हाथियों को ले आई। सबने मिलकर गुफा से पत्थर हटा दिया। छोटा हाथी गुफा से बाहर निकल आया। इस प्रकार चींटी ने हाथी की मदद की।

(ग) मुर्गे को देखकर लोमड़ी सोचने लगी कि कितना बड़ा और बढ़िया मुर्गा है। यदि यह हाथ लग जाए तो भोजन मज़ेदार बन सकता है।

(घ) अमरूदों के केले बन गए थे।